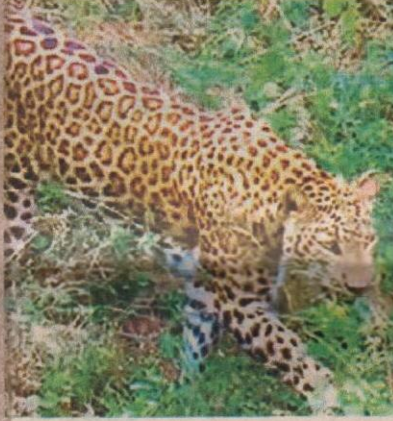


तेंदुआ पिंजरे के आसपास घूम रहा, कैद नहीं हो रहा



भास्कर संवाददाता | इंदौर

सिमरोल स्थित भारतीय तकनीकी संस्थान (आईआईटी) और महु स्थित आर्मी कैम्प में घूम रहा तेंदुआ पिंजरे में कैद नहीं हो रहा। सीसीटीवी कैमरे में तेंदुआ पिंजरे के आसपास घूमता हुआ दिख रहा है, लेकिन पिंजरे के भीतर जाने की कोशिश नहीं कर रहा। पिछले 12 दिनों से तेंदुआ इन दोनों इलाकों में एक्टिव है।

डीएफओ महेंद्र सोलंकी के मुताबिक सीसीटीवी कैमरे चेक किए जा रहे हैं, जिसमें तेंदुआ पिंजरे के आसपास नजर आ रहा है। आईआईटी कैम्प में अक्सर तेंदुआ नजर आता है। हालांकि वह कैम्प से बाहर भी स्वतः ही चला जाता है। तेंदुआ एक ऐसा जंगली जानवर है, जो थोड़ी सी झाड़ियों से और छोटे शिकार से भी काम चला लेता है। आवारा कुत्ते, मुर्गा, मुर्गी तक के शिकार कर लेता है। बसाहट वाले इलाकों में ये शिकार आसानी से मिल जाते हैं। वहीं पानी भी जगह-जगह मिल जाता है। इन दोनों जरूरतों के लिए वह बसाहट में आ जाता है। दोनों ही जगह पिंजरे अभी लगे रहेंगे। आईआईटी कैम्प में तो पिंजरा स्थायी रूप से ही लगा रहता है। कैम्प के चारों तरफ घना जंगल है, जिसमें तेंदुए का स्थायी रूप से आवास है। चोरल के अलावा बलवाड़ा और बड़वाह रेंज का जंगल भी आपस में लगा हुआ है। इस वजह से तेंदुए, बाघ को मूवमेंट के लिए बड़ा इलाका मिल जाता है। बताया जाता है कि आईआईटी कैम्प में बच्चों सहित कुल तीन तेंदुए सक्रिय हैं। इंदौर वन मंडल की चारों रेंज, महु, मानपुर, चोरल और इंदौर रेंज में तेंदुए सक्रिय हैं। इनकी संख्या भी 40 से 50 के करीब है।